AS-1162

Seat No. _____

M. A. (Part - I) Examination

March/April – 2016

Hindi : Paper - IV

(Comparetive Literature) (Old Course)

Time : **3** Hours] [Total Marks : **100**

सूचना : (१) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
(२) सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1 भारतीय साहित्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । **20**

अथवा

1 'भारतीय साहित्य में भारतीय जनजीवन, सभ्यता संस्कार आदि का यथार्थ निरूपण मिलता है ।' सिद्ध कीजिए । **20**

2 तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की परिधि का परिचय देते हुए उसके अध्ययन की आवश्यकता की चर्चा कीजिए । **20**

अथवा

2 'तुलनात्मक साहित्य वर्तमान समय की आवश्यकता है ।' प्रस्तुत कथन की चर्चा कीजिए । **20**

3 'अनुवाद एक प्रदेश का दूसरे प्रदेश के साथ सम्बन्ध जोड़नेवाला सेतु है ।' युक्ति–युक्त उत्तर दीजिए । **20**

अथवा

3 सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की समस्याओं पर विस्तृत प्रकाश डालिए । **20**

4 अनुवाद के अर्थ स्पष्ट करते हुए उसके प्रकारों की चर्चा कीजिए । **20**

अथवा

4 अनुवाद की परिभाषा बताते हुए स्पष्ट कीजिए कि अच्छा अनुवाद भाव के निकट होता है । **20**

5 (अ) किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए : **10**

(1) भारतीय साहित्य में मूल्यों की अभिव्यक्ति ।

(2) राष्ट्रीय एकता में भारतीय भाषाओं का योगदान ।

(3) काव्यानुवाद

(4) अनुवाद का भविष्य और सीमाएँ ।

(ब) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक–एक वाक्य में दीजिए । **10**

(1) अनुवाद में लक्ष्यभाषा किसे कहते है ?

(2) अनुवाद की परिभाषा दीजिए ।

(3) क्या पद्यकृति में अनुवाद संभव है ?

(4) अच्छा अनुवाद किसे कहते है ?

(5) संस्कृत भाषा में अनुवाद के लिए किन शब्दों का प्रयोग होता है ?

(6) रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने किस साहित्य को विश्व साहित्य कहा था ?

(7) तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की आवश्यकता क्यों है ?

(8) भारत में तुलनात्मक शोध का आरम्भ कौन सी सदी में हुआ था ?

(9) तुलनात्मक साहित्य को अंग्रेजी में क्या कहते है ?

(10) सर्वप्रथम किस पाश्चात्य विद्वानने तुलनात्मक शब्द का प्रयोग किया था ?